Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
Sector – 21, Noida
Phone : 0120-2534064, 2538533 / e-mail : bbpsnd@yahoo.co.in
Website : http : www/bbpsnoida.com

Workshop/Seminar Feedback Form

Workshop/Seminar title: **कार्यक्षमता संवर्धन**

Workshop/Seminar Date: 31.08 - 01.09.18

Venue: दिल्ली पब्लिक स्कूल, राजनगर एक्सटेंशन, मेरठ रोड

Attended by: **उमेश कुमारी , रजनी गथानिया**

Resource Person:प्रथम दिवस- डॉ शिक्षा , श्री अखिलेश कौशिक

द्वितीय दिवस- डॉ शिक्षा, श्री अखिलेश कौशिक

Organizer: **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड निदेशालय , देहरादून**

Profile of the Resource Person:डॉ0 शिक्षा -क्वीन मैरीज़ पब्लिक स्कूल (विभागाध्यक्षा)- मॉडल टाउन, दिल्ली

श्री अखिलेश कौशिक- मैरी गोल्ड पब्लिक स्कूल (पी.जी.टी.)- कटेवरा, दिल्ली

1. Content of the Workshop/Seminar

(प्रथम दिवस)

कार्यशाला के आरंभ में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पल्लवी उपाध्याय द्वारा डॉ0 शिक्षा तथा अखिलेश कौशिक का स्वागत किया गया तथा दीप प्रज्ज्वलन द्वारा कार्यशाला का आरंभ किया गया | तत्पश्चात माँ शारदा के सम्मान में श्लोक-गायन किया गया ।

दिनांक-31.08.18 प्रथम सत्र- विषय विशेषज्ञ--डॉ0 शिक्षा

- आरंभ में सभी प्रतिभागियों से क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम के विषय में उनकी अपेक्षाएँ पूछी गईं।
- प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित कर एक-दूसरे के परिचय के रूप में कविता-रचना करवाई गई।
- हिंदी को केवल एक विषय के रूप में ही न स्वीकार करें अपितु भावाभिव्यक्ति का माध्यम समझें।
- छात्रों को विदेशी भाषा के साथ हिंदी पठन के लाभों की जानकारी दी गई।
- विद्यार्थियों में सृजनशीलता बढ़ाने के नवीन प्रयोगों पर बल दिया गया।
- सृजनशीलता का अर्थ विस्तारपूर्वक समझाया गया ।
- बच्चों की सोच को बहुआयामी बनाएँ तथा लीक से हटकर चलने को प्रोत्साहित करें ।-
- बच्चों की सोच को सकारात्मक बनाएँ ।
- छात्रों की क्षेत्रीय भाषा को सम्मान दें तथा उसे हिंदी भाषा के साथ तालमेल बैठाने हेतु प्रोत्साहित करें।

द्वितीय सत्र -विशेषज्ञ-विषय -श्री अखिलेश कौशिक

- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के संबंध में चर्चा की गई।
- केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा जारी मानक देवनागरी लिपि, अंक तथा वर्तनी संबंधी चर्चा-परिचर्चा हुई। इस हेतु अभ्यास भी कराया गया।
- बच्चों की कमियों के साथ- साथ विशेषताएँ

- नकारात्मक व्यवहार न करने एवं सकारात्मक सोच के विकास पर विचारविमर्श-

- नैतिक मूल्यों पर चर्चा / परिचर्चा Thinking slills , Social skills , Emotional skills के विकास पर वार्तालाप ।
- भाषिक कौशलों के विकास पर बल दिया गया।
- सृजनात्मक लेखन के अंतर्गत जो विषय दिए जाएँ वे छात्रों के स्तर के अनुकूल हों।
- मातृभाषा के सम्मान तथा भाषा संबंधी समस्याओं का समाधान धैर्य एवं प्रसन्नता से करने पर ज़ोर ।
- भाषा शिक्षण अधिगम में होने वाली गलतियों के कारण जानने पर बल ।

दिनांक-01.09.18 द्वितीय दिवस- प्रथम सत्र- विषय-विशेषज्ञ- श्री अखिलेश कौशिक

- संवाद-लेखन एवं वाचन, भाषण आदि गतिविधियों द्वारा कार्यक्षमता का संवर्द्धन किया गया।
- पत्र के प्रारूप पर चर्चा-परिचर्चा की गई।
- हिंदी भाषा के शुद्ध लेखन एवं उच्चारण पर बल दिया गया।
- विद्यार्थियों के स्तरानुसार भाषा के सहज एवं सरल रूप के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए।
- रटंत पद्धति के स्थान पर समझकर कार्य करने की कला को प्रोत्साहित किया जाए।
- बच्चों में अनबन होने पर दोनों पक्षों को ध्यानपूर्वक सुनकर समस्याओं के निदान करने पर बल दिया गया। .
- विद्यार्थियों में तर्क शक्ति एवं जिज्ञासा के विकास पर विचारविमर्श ।-
- समूह में विभाजित करके विज्ञापन-निर्माण हेतु विषयों का वितरण तथा प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया।
- अपठित गद्यांश व अपठित पद्यांश को हल करने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश व सुझाव प्रदान किए गए।

द्वितीय सत्र-विशेषज्ञ-विषय - डा0 शिक्षा

- समूह का निर्माण करके फोटो खिंचवाई गई ।
- प्रश्न-पत्र निर्माण हेतु आवश्यक बिंदुओं पर परामर्श हुआ एवं सुझाव प्रदान किए गए।
- रचनात्मक-लेखन हेतु दिशा-निर्देश दिए गए।
- श्रवण तथा वाचन कौशल के विषयों पर चर्चा - परिचर्चा हुई।
- 10 अंक श्रवण तथा वाचन कौशल तथा 10 अंक का समसामयिक विषयों अथवा पाठ्यपुस्तक पर आधारित गतिविधि (फाइल-निर्माण) पर चर्चा-परिचर्चा हुई।
- पाठ-योजना की महत्ता बताई गई।
- छात्रों के साथ नवीन विषयों पर चर्चा करने तथा साझीदारी करने पर ज़ोर दिया गया।
- हिंदी भाषा की उपादेयता, रोज़गार के विविध अवसर, आजीविका में सहायक, हिंदी भाषा के सरलीकरण को महत्ता दी गई।
- गद्य शिक्षण की विविध विधाओं की पर्याप्त जानकारी , पठन-पाठन द्वारा नैतिक मूल्यों का विकास , क्लिष्ट भाषा का प्रयोग न करने पर बल दिया गया।
- भाषा खेल के माध्यम से शिक्षण को रुचिकर व प्रभावशाली बनाने की युक्ति शिक्षण प्रक्रिया में प्रभावशाली होगी ।
- भाषा-शिक्षण में आगमन विधि के महत्त्व का प्रतिपादन , सामाजिक अनुभवों को कक्षागत वातावरण में शामिल किया जाना चाहिए । छात्र को स्वतंत्र निजी व्यक्तित्व का स्वामी मानकर शिक्षित करना चाहिए ।

1. Learning outcomes (Knowledge and Information) from the workshop/Seminar?

- संवाद-लेखन एवं वाचन , भाषण आदि गतिविधियों द्वारा कार्यक्षमता का संवर्द्धन किया गया ।
- पत्र के प्रारूप पर चर्चा-परिचर्चा द्वारा विविध शंकाओ का समाधान किया गया ।
- छात्रों के अनुभवों को बाँटकर, सुनकर फिर नए कार्य पर बल दिया गया।
- बच्चों की सोच को बहु-आयामी बनाएँ तथा लीक से हटकर चलने को प्रोत्साहित करें|
- अभिनय के माध्यम से सृजनात्मकता को बढ़ावा दें |
- कविता वाचन करते समय सुर-ताल, लय, बलाघात आदि का ध्यान रखना चाहिए।
- विचारों में भावों की प्रधानता अवश्य होनी चाहिए |
- कविता में संवेदना के जुडाव का अत्यधिक महत्त्व है।

- सृजन हेतु पठन की आवश्यकता समझें |
- स्वानुभूति करना अनिवार्य है|
- प्रतिभा उभरने के लिए अभ्यास जरुरी है |
- सरल भाषा का प्रयोग करें जिससे वातावरण बोझिल न बने |
- बुद्धि व हृदय की भावनाओं का समन्वय आवश्यक है|
- बच्चों के प्रश्नों के उत्तर सरलता व स्वाभाविकता से दें|
- बच्चों की मासूमियत को न मारें|

2. Which topics or aspects of the workshop/Seminar did you find most interesting or useful and can be applied to the classroom teaching?

- विज्ञापन में रंगों का प्रयोग आवश्यकता के अनुसार ही किया जाना चाहिए ।
- अनुच्छेद लेखन में काव्य-पंक्तियों का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए ।
- पत्र-लेखन में दिनांक अब दाईं तरफ आएगी ।

<u>कार्यक्षमता में संवर्धनहेतु सुझाव -</u>

- बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करें|
- कल्पनाशीलता को निखारने का मौका दें|
- पाठ योजना का निर्माण ज़रूरी परन्तु लचीलापन रखें|
- पठन और शोध पर ध्यान दें, अध्ययनशील बनने दें|
- नवीन युक्तियों का समावेश करें |
- उचित परिवेश बनाने का अवसर प्रदान करें|
- पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों पर कार्य कराएँ |
- विषयों का एकीकरण करें|
- विभिन्न विधाओं का प्रयोग करें|
- बच्चों की जिज्ञासा की पुष्टि करें|
- चुनौतियों का सामना करने के उचित अवसर प्रदान करें|
- समसामयिक संदर्भों का उल्लेख |

3. How will you implement the knowledge & techniques acquired to your subject?

- कक्षागत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भाषा के शुद्ध स्वरूप से परिचित कराना तथा न केवल हिंदी साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न की जाए अपितु क्षेत्रीय व विदेशी भाषाओं की अनूदित कहानियों के पठन-पाठन संबंधी मार्गदर्शन भी देना। इसके अतिरिक्त प्रवासी भारतीयों के साहित्य को भी शामिल करना।
- भाषा के क्लिष्ट रूप को न अपनाकर उसके सरलतम बोलचाल के रूप को अपनाना तथा छात्रों की सहज अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना ।
- प्रश्नपत्र के निर्माण में छात्रों की योग्यता का ध्यान रखना तथा मूल्यांकन करते समय उनकी शिक्षक से भिन्न विचारधारा को भी मान्यता देना।

4. Comments and suggestions (How do you think the workshop/Seminar could have been made more effective?)

- समय-सीमा का ध्यान रखा जाना चाहिए ।
- हस्तपत्रकों का केवल पठन-पाठन न करके विस्तारपूर्वक समझाया जाना चाहिए था ।
- गतिविधियाँ करवाने हेतु अतिरिक्त विस्तार पर न जाकर विषय पर ही ध्यान केंद्रित करना चाहिए ।

5. Was the advance briefing about the workshop/Seminar appropriate?

जी हाँ, अपने उद्देश्य में पूर्ण रूप से सफल एवं सक्षम

हस्तपत्रकों का प्रयोग अत्यंत सराहनीय रहा।

GENERAL FEEDBACK	**YES**
• The workshop/Seminar was applicable to my job	•
• I will recommend this workshop/Seminar for other faculty members.	•
• The program was well paced within the allotted time	•
• The material was presented in an organized manner	•
• The resource person was a good communicator	•
• The resource person was knowledgeable on the topic	•
• I would be interested in attending a follow-up, more advanced workshop / Seminar on this same subject	•
• I will be able to conduct follow up workshop for the benefit of fellow Staff Members	•

GLIMPSES FROM THE WORKSHOP (Photographs with captions)

नव निर्माण की ओर

आओ हम सब पढ़ें-पढ़ाएँ

ज्ञान का प्रचार-प्रसार

अभिव्यक्ति-कौशल

Report submitted by

Signature-

Name–Umesh Kumari, Rajni gathania
Designation- T.G.T- HINDI
Submission Date – 31.08.18 – 01.09.2018